

प्राप्ति विद्यालय  
लाहौरा वाराणसी

प्रधान,

श्री अमौर गुरुरी,  
संस्कृत शिक्षा  
उत्तर प्रदेश राज्य।

तैया है।

संस्कृत  
विद्यालय विद्या विभाग  
के लिए 2 संस्कृत कक्ष  
प्रशिक्षण विभाग नहीं हिल्ली।

क्रमांक 171 अनुभाग

तिथि: दिनांक: 26 जितम्बर, 1998

विषय:- संस्कृत संस्कृतानियत वाराणसी लो सीधी ०५३०८१ नई दिल्ली से संस्कृता हेठु अनायास प्रमाण पत्र नियमित वाने के लिये मैं हूँ  
महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कही का निर्देश हुआ है कि संस्कृत संस्कृतानियत वाराणसी लो सीधी ०५३०८१ नई दिल्ली से संस्कृता हेठु अनायास प्रमाण पत्र दिये जाने में अंतराल तरकार को नियमित विद्यालयों के अन्तर्गत आपत्ति नहीं है :-

111 विद्यालय की पंजीकृत तौतापटी का समय समय पर नवीनीकरण कराया जायेगा।

121 विद्यालय की प्रबन्ध संविति में विद्या निवेश के द्वारा नाभित रक्षणात्मक होना।

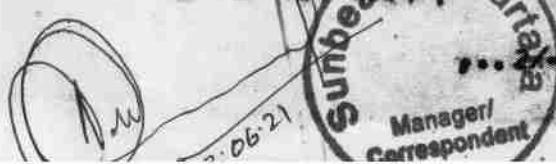
131 विद्यालय में कम से कम दो उत्तिकाल स्थान अनुच्छित जाति/अनुच्छित जनजाति के वयों के लिए सुरक्षित रहेंगे और उनसे उत्तर प्रदेश वाच्य विद्या विभाग द्वारा संघर्षित विद्यालयों में विभिन्न व्यावर्ता के लिए नियांरित रुप हो जाएगा जबकि इनके नहीं विद्या जायेगा।

141 संस्कृत वाराणसी तरकार के लिए अनुदान लो भाग नहीं की जायेगी और वह पूर्व में विद्यालय वाच्य विभाग विद्या विभाग से उपलब्ध होनेवाला है जिसके लिए विद्यालय विभाग विद्या विभाग/विद्यालय कार दि वीक्षण संस्कृत संस्कृत विद्यालय, नई दिल्ली से प्राप्त होती है तो उत्तर वरोधी विद्यालयों से संस्कृत प्राप्त होने की लिखित विवरिति से वाच्यता तथा राज्य तरकार के अनुदान स्वतः समाप्त हो जायेगी।

151 संस्कृत विद्यालय की विभिन्न विद्यालयों को राज्यीय नवायता अथवा विद्या विभागों के विभागियों लो अनुमति देते जाने का लिये उत्तर प्रदेश भवती है कम वेतनमान तथा उच्च भवती नहीं दिये जाएंगे।



Principal  
SUNBEAM SCHOOL  
Varanasi



16। अंगीरियों की तेवा गई कार्यों और उन्हीं सहायता प्राप्त  
असामिय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अंगीरियों की उन्नत  
तेवा निवृत्ति का ताम उपलब्ध कराये जाएगे ।

17। राज्य भवान द्वारा तथा तस्वीर जी भी आदेश निर्णय दिये जाएंगे  
ताम उपलब्ध कराये जाएंगे ।

18। विद्यालय का रिस्टर नियंत्रित प्रबन्ध अधिकारी द्वारा जाएगा ।

19। उक्त गतीयों में राज्य भवान के पूर्वानुभेदन के किंवा शोई परिषदि/  
संघीय या पारिषदि नहीं दिया जाएगा ।

2- उक्त प्रतिक्रियाएँ का पालन करना तत्परा है इस अनियार्थी होमा और बड़ि  
जी तम्य एवं पार्यावाता है कि तत्परा द्वारा उक्त प्रतिक्रियाएँ का पालन नहीं किया  
जा सकता है इसका पालन करने में किंवा पुष्टि की तुला या गांधिता वर्ती या रक्षा  
हो तो राज्य भवान द्वारा प्रदत्त अनापत्ति प्रमाण पत्र कापत हो दिया जाएगा ।

भवदीय,

प्राप्ति नियमित  
संपूर्णता तथा ।

पुस्तक ३१३४/११/१५-७-१९७८ द्वारा दिया

प्रतिलिपि नियमित को दृष्टनार्थ सर्व अधिकारी लाभिकारी हेतु देखित :-

- 1- विद्या नियंत्रक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ ।
- 2- मण्डलीय त्रिवेता विद्या नियंत्रक, वाराणसी ।
- 3- किंवा विद्यालय नियंत्रक, वाराणसी ।

4- नियंत्रक, अंगीरिय भावातीय विद्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ ।

5- अन्यथा में रक्षा, अन्नपूर्णानिधि, वाराणसी ।

अतुर दे.

*S. S. D.*

प्राप्ति नियमित  
संपूर्णता तथा ।

८

